न्यूज डायरी

इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन के बीच ऐतिहासिक शांति समझौता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। एक लंबे समय के बाद अरब–इजरायल विवाद मंगलवार को समाप्त हो गया। इस ऐतिहासिक समझौते के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से व्हाइट हाउस में भव्य समारोह का आयोजन किया गया, इसकी मेजबानी भी खुद ट्रंप ने की। तीनों देशों के बीच इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेन्यामिन नेतन्याहू, यूएई की तरफ से विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद और बहरीन की ओर से विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ अल जयानी शामिल हुए। इन देशों के अलावा कुछ और अहम लोग भी इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने। ट्रंप ने इस समझौते के लिए कुछ डेमोक्रैट्स को भी आमंत्रित किया था जिन्होंने इस समझौते का चुपचाप समर्थन किया था। मिस्र, जॉर्डन के बाद यूएई और बहरीन ऐसे अरब देश हैं जिन्होंने इजरायल को मान्यता दी है। साथ ही ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए विशेष 700 लोगों को भी बुलाया गया। ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर समारोह के दौरान कहा कि यह मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) इलाके के देशों के लिए नए सवेरे जैसा है।

1.7 करोड़ डॉलर की बैंक धोखाधड़ी का आरोप किया स्वीकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। भारतीय मूल के एक अमेरिकी व्यक्ति ने जालसाजी कर बैंक से 1.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर का कर्ज लेने और धोखा देने की योजना बनाने में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। अमेरिकी अटॉर्नी ने बताया कि राजेन्द्र कंकारिया (61) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अमेरिकी जिला न्यायाधीश सूसन डी. विंग्टन के समक्ष बैंक से धोखा करने का अपना गुनाह स्वीकार कर लिया। उसे अधिकतम 30 साल की सजा मिल सकती है और 10 लाख अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना लग सकता है। कंकारिया को 18 जनवरी को सजा सुनाई जाएगी। दस्तावेजों के अनुसार मार्च 2016 से मार्च 2018 तक 'लोटस एक्जिम इंटरनेशनल इंक' के अध्यक्ष ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर बैंक से धोखे से 1.7 करोड़ डॉलर का कर्ज लेने की साजिश रची थी।

भारत के ऐक्शन के बाद 33 साल में पहली बार सबसे ज्यादा अलर्ट पर रही चीनी सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के दक्षिणी किनारे पर भारतीय सेना के जवाबी कार्रवाई से बौखलाए चीन ने 33 साल बाद पहली बार सेना की जंगी तैयारी को दूसरे सर्वोच्च अलर्ट पर रख दिया था। हालांकि चीन सेना की लड़ाकू तैयारी को भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच मुलाकात के बाद कम कर दिया गया। चीनी सेना के एक अधिकारी ने बताया कि इस दौरान बड़े पैमाने पर सैनिकों और हथियारों को अग्रिम मोर्चों पर तैनात किया गया था। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने चीनी सेना के सूत्रों के हवाले से बताया कि इससे पहले इस इलाके में अलर्ट का यह स्तर वर्ष 1987 में हुआ था। उस समय सुमदोरोंग चू घाटी में दोनों पक्षों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था और युद्ध की नौबत आ गई थी। पीएलए में अलर्ट के चार स्तर हैं।

भारत अमेरिकी रक्षा अधिकारी रक्षा उपकरणों के सह विकास उत्पादन पर करेंगे चर्चा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा अधिकारियों ने बुधवार को रक्षा उपकरणों के सह–उत्पादन और सह–विकास सहित रक्षा औद्योगिक सहयोग पर चर्चा करने के लिए एक आभासी बैठक आयोजित की। अमेरिकी विदेश विभाग के ब्यूरो ऑफ साउथ एंड सेंट्रल एशियन अफेयर्स ने कहा कि अमेरिका, भारत रक्षा साझेदारी अमेरिका–भारत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की आधारशिला है। अमेरिका और भारत के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने रक्षा औद्योगिक सहयोग पर चर्चा करने के लिए वस्तुतः आज मुलाकात की, जिसमें रक्षा उपकरणों के सह–उत्पादन और सह–विकास शामिल हैं। रक्षा साझेदारी अमेरिका–भारत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की आधारशिला है, राज्य SCA ने ट्वीट किया।

शिंजो आबे ने दिया इस्तीफा योशिदे सुगा बने नए पीएम

बदलाव

- स्वास्थ्य कारणों के चलते शिंजो आबे ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था
- सुगा को सोमवार को जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का नया नेता चुना गया था

मतदान में योशिहिदे सुगा को औपचारिक तौर पर नया प्रधानमंत्री चुना गया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तोक्यो। जापान की संसद में बुधवार को हुए मतदान में योशिहिदे सुगा को औपचारिक तौर पर नया प्रधानमंत्री चुना गया। स्वास्थ्य कारणों के चलते शिंजो आबे ने बुधवार सुबह प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। सुगा को सोमवार को जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का नया नेता चुना गया था और इसके साथ ही उनका प्रधानमंत्री बनना तय हो गया था।

मंत्रिमंडल के प्रमुख सचिव रहे योशिहिदे सुगा लंबे समय से आबे के करीबी रहे हैं। वह बुधवार को अपने मंत्रिमंडल का चुनाव करेंगे। इससे पहले जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने पद से इस्तीफा देते हुए अपने उत्तराधिकारी के लिए राह साफ कर दिया था।

जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे आबे ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह स्वास्थ्य कारणों के चलते पद छोड़ेंगे।

मंत्रिमंडल के प्रमुख सचिव योशिहिदे सुगा को सोमवार को जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का नया नेता चुना गया था और इसके साथ ही उनका प्रधानमंत्री बनना तय हो गया था। वह आबे के काफी करीबी हैं और 2006 से उनके समर्थक रहे हैं। आबे के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए हुए आंतरिक मतदान में सुगा को सत्तारूढ़ लिबरल डेमाक्रेटिक पार्टी में 377 वोट मिले और अन्य दो दावेदारों को 157 वोट हासिल हुए थे।

सुगा ने कहा कि वह आबे की नीतियों को ही आगे बढ़ाएंगे और उनकी प्राथमिकता कोरोना वायरस से निपटना और वैश्विक महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था बेहतर करना होगा। योशोहिदे सुगा एक आम किसान के बेटे हैं, उनके पिता स्ट्रॉबेरी की खेती करते थे। अपने गृहनगर में हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे तोक्यो आ गए।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अपना खर्च चलाने के लिए उन्हें कभी कार्डबोर्ड फैक्ट्री में नौकरी करनी पड़ी तो कभी फिश मार्केट में भी काम करना पड़ा। दरअसल, सुगा काम के साथ ही यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे, यहां नौकरी कर उन्हें खर्चा चलाने में मदद मिल जाती थी।

वुहान लैब से ही निकला वायरस,चीन की फरार वायरॉलजिस्ट ने दिए सबूत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। कोरोना वायरस के वुहान के एक सैन्य लैब में पैदा होने का आरोप लगाने वाली चीन की मशहूर वायरॉलजिस्ट डॉ. ली–मेंग यान ने अपने इस सनसनीखेज दावे के समर्थन में सबूत पेश किए हैं। डॉक्टर यान ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। हॉन्ग कॉन्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में कथित रूप से शोध कर चुकीं डॉक्टर यान ने कहा कि कोरोना वायरस को दो चमगादड़ों के जेनेटिक मैटेरियल को मिलाकर तैयार किया गया है।

डॉक्टर यान ने कहा कि कोरोना वायरस के स्प्पाइक प्रोटीन को बदलकर उसे आसान बनाया गया ताकि वह ह्यूमन सेल में चिपककर बैठ जाए। उधर, अन्य वैज्ञानिकों ने डॉक्टर यान के इस दावे पर सवाल उठाए हैं। वैज्ञानिकों ने इस रिपोर्ट को अप्रमाणित करार दिया और कहा कि इसे कोई विश्वसनीयता नहीं दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि शोध पत्रों में पहले यह जा चुका है कि कोरोना वायरस का जन्म चमगादड़ों से हुआ है और इसे इंसानों के बनाए जाने के कोई सबूत नहीं हैं।

चीन की फरार वायरॉलजिस्ट का यह शोध किसी भी वैज्ञानिक जर्नल में प्रकाशित नहीं हुआ है और न ही इसकी किसी ने समीक्षा की है। बता दें कि कोरोना को लेकर चीन पर साजिश का आरोप लगता रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेंगे 20 लाख हिंदू मतदाता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में महज 50 दिन से भी कम का वक्त बचा है। रिपब्लकिन पार्टी के उम्मीदवार और मौजूदा राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप भारतीय मूल के वोटरों को रिझाने की कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उधर, डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन भी कमला हैरिस के जरिए भारतवंशी सहित अफ्रीकी–अमेरिकी मूल के मतदातों को अपने पाले में लाने की कवायद कर रहे हैं। हालांकि, यह पहली बार है जब दोनों बड़ी पार्टियां हिंदू अमेरिकी वोटरों को रिझाने की पूरी कोशिश कर रही है। ट्रंप कैंप ने हिंदू वॉयस फॉर ट्रंपश अभियान की शुरुआत की है, तो बाइडन कैंप की तरफ से हिंदू अमेरिकंस फॉर बाइडनश कैंपेन चला रहा है। मीडिया रिपोर्ट की मानें, तो अमेरिकी चुनाव में 20 लाख हिंदू काफी अहम भूमिका निभाने वाले हैं।

राजनाथ सिंह के बयान पर चीनी मीडिया को लगी मिर्ची, दी धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चीन शांति और युद्ध दोनों के लिए तैयार

पेइचिंग। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के लोकसभा में चीनी सेना की पोल खोलने पर पर ड्रैगन का सरकारी भोपू ग्लोबल टाइम्स भड़क उठा है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के एडिटर हू शिजिन ने कहा कि चीन शांति और युद्ध दोनों ही के लिए तैयार है। उन्होंने दावा किया कि चीनी सेना के दबाव की वजह से भारतीय सेना नरम रुख अपनाने पर मजबूर हुई है।

शिजिन ने दावा किया कि पीएलए पैंगोंग झील के पास भारत–चीन सीमा पर निर्णायक कार्रवाई के लिए अपनी तैनाती को बढ़ा रही है। ग्लोबल टाइम्स के एडिटर ने कहा कि बीजिंग को चीन–भारत सीमा विवाद को शांतिपूर्वक सुलझाने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए लेकिन अपनी सेना को तैयार रखना होगा। उन्होंने कहा कि भारत में कई अलग–अलग ताकते हैं। कुछ अति राष्ट्रवादी हैं जिन्होंने आसान रास्ते पर जाने से मना कर दिया था और कहा था कि वे अपने सख्त रुख पर बने रहेंगे।

चीनी सेना भारत को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयारः शिजिन ने चीनी विदेश मंत्रालय को सलाह दी कि वह भारत के साथ वार्ता करते समय उसी भाषा का इस्तेमाल करें जो भारत समझता है। इससे पहले शिजिन ने कहा था कि चीनी सेना भारतीय टैंकों का खात्मा करने का अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी धमकी दी कि अगर भारत ने मास्को में विदेश मंत्रियों के बीच हुई पांच सूत्री सहमति को लागू नहीं करता है तो चीनी सेना भारत को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लोकसभा में चीन की पोल खोलकर रख दी थी। सिंह ने सदन को चीनी सेना की पूरी गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि किस तरह चीनी सैनिकों ने यथास्थिति को बदलने की एकतरफा कोशिश की।

फीनिक्स में अदालत के बाहर गोलीबारी, एक अधिकारी जख्मी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) फीनिक्स। अमेरिका के फीनिक्स में चलती गाड़ी से एक अदालत के बाहर गोलीबारी की गई, जिसमें एक संघीय सुरक्षा अधिकारी जख्मी हो गया। घटना के सिलिसिले में एक शख्स को हिरासत में लिया गया है। शहर की पुलिस और एफबीआई के मुताबिक, अधिकारी को अस्पताल ले जाया गया है और वह खतरे से बाहर है। एफबीआई के फीनिक्स दफ्तर की प्रवक्ता जिल मैककेब ने बताया कि घटना के संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही है, इसलिए इस बारे में और जानकारी नहीं देगी। वहीं पुलिस ने इलाके से रवाना हो रही एक सिल्वर रंग की कार का फोटो जारी किया है। एक अधिकारी ने बताया कि अदालत सुरक्षा अधिकारी अमेरिकी मार्शल सेवा के निर्देशों पर काम करते हैं, लेकिन इनकी भर्ती निजी सुरक्षा कंपनियां करती हैं। गोलीबारी की घटना के बाद अदालत के आसपास की सड़कों को बंद कर दिया गया और सुरक्षा बढ़ा दी गई। अदालत के लिपिक ने बताया कि अदालत लोगों के लिए खुली हुई है।